मांग हर वर्ष नीलामी के पूर्व किए गए धरना प्रदर्शन,आंदोलन व सुंदरकांड पाठ

3 वर्ष से की जा रही है भटेरा शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग

नवभारत, बालाघाट। भटेरा शराब दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग के संघर्ष को लेकर निरंतर 03 वर्ष पूरे हो रहे,क्षेत्र की जनता की आज भी मांग है कि इस शराब दुकान का स्थान परिवर्तन किया जाए। विगत 03 वर्षों में इस शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को मांग को लेकर समय-समय पर वार्डवासियों के नेतृत्व मे आंदोलन,धरना प्रदर्शन, सुंदरकांड पाठ आदि किए गए। प्रत्येक वर्ष समय समय पर न.पा.अध्यक्ष बालाघाट,विधायक बालघाट, सांसद बालाघाट,जिला आबकारी अधिकारी बालाघाट,जिला कलेक्टर बालाघाट से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री महोदय तक को पत्र लिखा गया। फलस्वरूप गत वर्ष जिला कलेक्टर कार्यालय से आबकारी विभाग को एक पत्र भी जारी किया गया कि 'भटेरा शराब दुकान के स्थान परिवर्तन के प्रस्ताव को आबकारी निष्पादन समिति के समक्ष रखा जाएगा' ऐसा आश्वासन दिया गया।

किंतु उक्त पत्र के बाद पूरे 01 वर्ष बीत गए आज तक उस पत्र के बाद शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर कोई कार्यवाही नही की गई। इसी सम्बंध में दोबारा गत दिवस विधायक बालाघाट,नगर पुलिस अधीक्षक बालाघाट,जिला आबकारी अधिकारी बालाघाट एवं जिला अधीक्षक बालाघाट को पत्र प्रेषित किया गया। जिसमे कहा गया कि मध्यप्रदेश सरकार के नियमों का उल्लंघन कर दुकानदार द्वारा आहाता खोलकर साथ मे डिस्पोजल पानी पाउच आदि का विक्रय करके शराबियों को बिठालकर शराब पिलाई जा रही है। इससे आसपास के क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है,आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है, फलस्वरूप क्षेत्र के रहवासियों में डर का माहौल बना हुआ है। अतः इस वर्ष शराब दुकान की निविदा जारी करने के पूर्व इसके स्थान परिवर्तन का आदेश जारी किया जाए अन्यथा इस वर्ष भी पूर्व वर्षो की तरह नई सिरे धरना प्रदर्शन,चक्काजाम आंदोलन किया जाएगा।

नहर टूटने से आवासीय क्षेत्र में भरा पानी

▶ **जल संसाधन विभाग की उदासीनता से वार्डवासी परेशान**

नवभारत कटंगी 18 जनवरी। बैनगंगा जल संसाधन विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाह कार्यप्रणाली से नहरों की हालत खस्ता हाल हो चुकी है। अनेक वर्षों से बगैर देखरेख और नहरों की साफ-सफाई और मेंटेनेंस कार्य नही होने से अनेक स्थानों पर नहरों का हाल बेहाल है। मेंटेनेंस राशि से कोई कार्य नहीं किए गए हैं, जिससे अनेक स्थानों पर नहरें फूट रही है।

जानकारी के अनुसार वर्तमान में बैनगंगा जल संसाधन विभाग के अन्तर्गत आने वाले नहलेसरा जलाशय की मुख्य नहर की माइनर नहर फूट जाने से कटंगी के वार्ड क्रमांक दो अर्जुनाला में खेतों और आवासीय क्षेत्र में जलभराव हो गया है, जिससे रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि माइनर नहर में कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर नहर की पार को तोड दिया गया है, जिससे नहर का पानी आगे नहीं बढ़ते हुए खेतों और आवासीय क्षेत्र में भर रहा है।

उपयंत्री से की शिकायत

नहर के टूटने से ही अनेकों किसानों की रबी की फसल नहीं लग पाई है। इस संबंध वार्ड क्रमांक दो अर्जुनाला निवासी मनोज चौहान ने जल संसाधन विभाग के उपयंत्री से शिकायत की है, जिस पर उपमंत्री द्वारा शिघ्र ही समस्या के निदान की बात कही गई है। विदित हो कि यह समस्या लंबे समय से चली आ रही है जब भी नहलेसरा जलाशय की मुख्य नहर में पानी छोड़ा जाता है तो माइनर नहर में पानी आगे नहीं बढ़ते हुए आवासीय क्षेत्र में भर जाता है।

जैन कलार समाज का वार्षिक सम्मेलन एकता और उत्साह के साथ मनाया

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट के कमला नेहरू महिला मंडल हॉल में जैन कलार समाज बालाघाट का तृतीय वार्षिक सम्मेलन अत्यंत श्रद्धा, सामाजिक एकता एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन की शुरुआत सहस्त्रबाहु भगवान, जैना देवी एवं माँ सरस्वती के विधिवत पूजन, वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसमें समाज की सुख-समृद्धि, शिक्षा और सद्भाव के लिए प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, महिलाएँ, युवा वर्ग एवं बच्चों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। सम्मेलन में प्रभाकर रणदिवे, रविंद्र सोनवाने, झनकराम मानापुरे, लक्ष्मीकांत रामटेककर, राधेश्याम आसटकर, सुरेंद्र सोनवाने, शेषराम दहीकर, माधुरी सोनवाने, योगेंद्र दहीकर, धनंजय सोनवाने, प्रभात मुरकुटे, वासुदेव आसटकर, सुनील मुरकुटे,, महेंद्र पलानदुरकर, महेंद्र आसटकर, अनिल मानापुरे, रमेश पलांदुरकर, सतीश सोनवाने, गिरीश दुरुग़कर, संतोष सोनवाने, दिलीप मुरकुटे, अशोक आसटकर, अनिल मुरकुटे, देवेंद्र दहीकर,सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सचिव धनंजय सोनवाने ने बताया सम्मेलन के दौरान समाज की वर्तमान स्थिति, भावी योजनाओं, शिक्षा के महत्व, सामाजिक एकजुटता एवं नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने जैसे विषयों पर विचार साझा किए गए। महिला समिति में संयोजक श्रीमती गीता दहिकर, वंदना सोनवाने, रितु आसटकर के द्वारा समाज की महिलाओं को आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करनेवर्ष में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम हेतु बधाई दी गई। समाज के 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई, जिन्होंने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी समन्वय को मजबूत करना, सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना और सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूकता लाना रहा। अंत में सभी समाजजनों, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में और भी संगठित रूप से समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन श्री महेन्द्र सोनवाने, श्रीमती अलका रामटेककर, प्रीति दुरुग़कर, सीमा खोबरागड़े द्वारा किया गया।

धार्मिक आयोजनों से बढ़ता है आपसी सद्भाव : पारधी

ग्राम येरवाघाट एवं दिनेरा में श्रीमद् भागवत महापुराण महोत्सव का समापन

नवभारत कटंगी 18 जनवरी। कटंगी एवं वारासिवनी तहसील के ग्राम येरवाघाट और दिनेरा में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण एवं भक्ति ज्ञान यज्ञ महोत्सव का समापन हुआ। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। ग्राम येरवाघाट में कथा वाचन साध्वी चेतना गिरी तथा ग्राम दिनेरा में पूजा किशोरी के सानिध्य में किया गया।

महोत्सव के अंतिम दिन श्रीमद् भागवत महापुराण का विश्राम, हवन एवं महाप्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। ग्रामवासियों और आयोजन समिति के सहयोग से यह आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ, जिससे क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण सुदृढ़ हुआ।

मेरा सहयोग हमेशा रहेगा : विधायक

भागवत महापुराण में विशेष रूप से उपस्थित विधायक गौरव सिंह पारधी ने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक सोच, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति द्वारा आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों के लिए उनका सहयोग सदैव रहेगा।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में सरपंच येरवाघाट कंचना रामप्रसाद सिंदराम, संतोष लिल्हारे, डिलेश्वर डहारे, तुलाराम लिल्हारे, कंकर मसखरे, गणेश लिल्हारे, पूर्व सरपंच दिनेश लिल्हारे, हितेश नगपूरे सहित ग्राम दिनेरा से अध्यक्ष सुनील बिसेन, पप्पू पटले, शैलेश पटले पूर्व सरपंच, सुरेश पटले जनपद सदस्य, दिलीप बिसेन पूर्व सरपंच, सत्यम बिसेन, गुड्डू पटले, विष्णु हनवत आदि उपस्थित रहे।

अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया

नवभारत, बालाघाट। मुख्य वन संरक्षक बालाघाट श्री गौरव चौधरी के मार्गदर्शन, वन मंडला अधिकारी आर. ऐस. धुर्वे के निर्देशन में एवं उप वन मंडल अधिकारी की उपस्थित में मध्यप्रदेश शासन वन विभाग एवं इको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा अनुभूति कार्यक्रम-2026 के तहत इको अनुभूति कार्यक्रम 'हम हैं धरती के दूत' 17/01/2026 को उत्तर सामान्य वनमंडल के वन परिक्षेत्र बिरसा- दमोह (सामान्य)अंतर्गत अनुभूति कैंप का आयोजन सोनघोघरा मनोरंजक स्थल में किया गया जिसमें कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल बिरसा, शासकीय उत्कृष्ठ स्कूल बिरसा , शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के स्कूली विद्यार्थियों को जंगलों नदियों प्रकृति आच्छादित सौंदर्यता से भरपूर वातावरण में लाया गया इसके बाद विद्यार्थियों को तीन समूहों में बांटकर 2 किलोमीटर के पथ (ट्रेल)पर ले जाया गया। यहां पर वन अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को वन, वन्य जीव एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधित जानकारियां दी गई में भी बाघ एवं हम है बदलाव हम है धरती के दूत थीम कि जानकारी अनुभूति मास्टर ट्रेनर श्री सौरभ शरणागत (वनपरिक्षेत्र अधिकारी) द्वारा विद्यार्थियों को दी गई साथ ही वन अमला द्वारा ट्रेल पर पगमार्क इंप्रेशन पैड, ब्रशवुड , पत्थर चेक डेम, वृक्षों के वानस्पतिक नाम तथा उपयोग संबंधित जानकारियां दी गई कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा हम है धरती के दूत थीम पर नृत्य किया गया।वन एवं वन्य जीव संबंधी ज्ञान की परीक्षा ली गई। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरण किया गया।विद्यार्थियों को दोना पत्तल में भोजन कराया गया उपस्थित वनअधिकारियों ने वन एवं वन्य जीवो के संरक्षण तथा उनके प्रति जागरूकता के लिए अपने कृतज्ञ भाव व्यक्त किये गए एवम शपथ ग्रहण करवाया गया।

अभियान विजन जबलपुर के एक वर्षीय अभियान में 2026 तक शहर को भिक्षु मुक्त करने लिया संकल्प

संस्कारधानी को भिक्षु मुक्त बनाने दीनबंधु अभियान का शुभारंभ

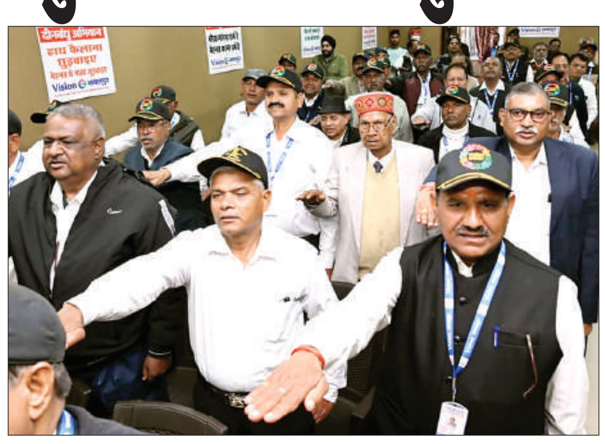

जबलपुर, नवभारत। संस्कारधानी जबलपुर को भिक्षु मुक्त शहर बनाने तथा निराश्रित और अक्षम लोगों के पुनर्वास के उद्देश्य से विजन जबलपुर ने एक वर्षीय दीनबंधु अभियान का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम शनिवार को कलावीथिका हाल, रानी दुर्गावती संग्रहालय में आयोजित किया गया। अभियान का लक्ष्य 2026 तक पूरे शहर को भिक्षु मुक्त बनाना है। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुज विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय आशीष दीक्षित, विजन जबलपुर संरक्षक सुनील कुमार चौरसिया और अध्यक्ष राजेंद्र सिंह उपस्थित रहे। महापौर ने वर्ष 2026 के अंत तक जबलपुर को भिक्षु मुक्त बनाने के संकल्प को दोहराते हुए अभियान को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

वरिष्ठ नागरिकों का योगदान और सरकारी समर्थन

नगर निगम अध्यक्ष रिंकुज विज ने इसे वरिष्ठ नागरिकों द्वारा किया जा रहा पवित्र और सराहनीय प्रयास बताया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर व्यक्ति सम्मानजनक जीवन जी सकता है और प्रशासन इस अभियान में पूरी तरह सहभागी रहेगा। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि नर्मदा तटों और धार्मिक स्थलों पर भीख मांगने वालों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम का स्वागत सी.एस. राजपूत, एस.के. बनर्जी, प्रदीप श्रीवास्तव, अरुण दुबे, अनूप मजूमदार और टेकचंद अधिकारी ने किया। संचालन अनूप मजूमदार ने किया जबकि आभार प्रदर्शन प्रदीप श्रीवास्तव ने किया। बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, युवा और संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

101 सदस्यों ने लिया नगर सेवक बनने का संकल्प

इस अवसर पर विजन जबलपुर के 101 सदस्यों ने नगर सेवक बनने का संकल्प लिया। सभी सदस्यों ने मिलकर शपथ ली कि वे अभियान के हर पहलू में सक्रिय रूप से सहयोग करेंगे। विजन जबलपुर अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि जागरूकता, भिक्षा निषेध, पहचान, पुनर्वास, शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से दिसंबर 2026 तक लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

इनका कहना है

यह पहल समाज के लिए प्रेरणादायक है। शहर में गिरोह भी बच्चों से प्रमुख चौराहों पर भीख मंगवा रहे है। अब अभियान चलाकर भीख मंगने वाले लोगों को मुख्यधारा में जोड़ेंगे।

मथुरा जैन उत्साही

शहर का यह कदम निश्चित रूप से सामाजिक दृष्टि से सराहनीय है। इस अभियान में सभी वर्गों के लोगों को जुड़ना चाहिए।

राजेंद्र सिंह

भिक्षु रहित शहर और पुनर्वास कार्यक्रम समाज में नई उम्मीद जगाएगा।

सविता पटेल

निर्वाण मृत्यु नहीं, देहभाव का अंत है : प्रमाणसागर

▶ **भगवान ऋषभदेव निर्वाण महोत्सव पर धर्मसभा का आयोजन**

नवभारत, जबलपुर। डीएन जैन महाविद्यालय के विशाल प्रांगण में भगवान ऋषभदेव के निर्वाण महोत्सव के अवसर पर आयोजित प्रात:कालीन धर्मसभा में मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने कहा कि 'निर्वाण का अर्थ मृत्यु नहीं, बल्कि देहभाव का अंत है। आत्मतत्व को जानकर ममत्व का त्याग कर मोक्षमार्ग पर अग्रसर होना ही निर्वाण है।' मुनि श्री ने निर्वाह, निर्माण और निर्वाण शब्दों की व्याख्या करते हुए बताया कि केवल अपने हित की चिंता निर्वाह है, अपने व दूसरों के हित का ध्यान निर्माण है और आत्मबोध के साथ समस्त ममत्व का त्याग निर्वाण है। उन्होंने कहा कि अंधा उपभोग मनुष्य के पतन का कारण बनता है, जबकि आवश्यकता अनुसार उपयोग उत्थान का मार्ग प्रशस्त करता है। भगवान ऋषभदेव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मुनि श्री ने भोगभूमि व कर्मभूमि की चर्चा की तथा कृषि, वाणिज्य और शिल्पकला जैसे षट्कर्मों के माध्यम से लोक व्यवस्था की स्थापना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा केवल मनुष्य ही समझ सकता है और वही निर्वाण पद को प्राप्त करता है। इस अवसर पर मुनि श्री संधान सागर जी महाराज, समस्त क्षुल्लक गण मंचासीन रहे। मुनिसंघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं सुवोध कामरेड ने बताया कि भावनायोग के माध्यम से कैलाश पर्वत का स्मरण कर निर्वाण लाड़ू चढ़ाया गया। कार्यक्रम का संचालन बाल ब्रह्मचारी अभयआदित्य (इंदौर) ने किया। अमित पड़रिया ने जैन समाज जबलपुर की ओर से मुनि श्री से संस्कृत भाषा में लिपिबद्ध 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान कराने का अनुरोध किया, जो जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी के प्रथम सप्ताह में संभावित है।

हल्दी, कुमकुम ,सिंदूर नारी शक्ति का प्रतीक

नवभारत, जबलपुर। महावीर रेसिडेंस वेल्फेयर सोसाइटी की महिला समिति द्वारा हल्दी, कुमकुम, सिंदूर कार्यक्रम महावीर कॉलोनी हाथीताल स्थित महावीर गार्डन में भारतीय संस्कृति की परम्परानुसार हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर वर्षा उसरेटे ने बताया कि यह भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण परंपरा है जिसमे हल्दी, सिंदूर, कुमकुम का प्रयोग किया जाता है, यह नारी शक्ति की एकता का भी प्रतीक है।